

HALO

Mitteilungen der
Sektion Halobeobachtungen
des Arbeitskreises Meteore
im Kulturbund der DDR

9. JAHRGANG 1987

Nr. 40

April

Beobachtungsergebnisse - A P R I L 1987

| Dt | FK | KKGG | Dt | FK | KKGG | Dt | FK | KKGG | Dt | FK | KKGG |
|----|----------|------|-------------|----------|------|----------|-------|----------|----------|-------|------|
| 02 | 01 | 1121 | 13 | 01 03 05 | 0711 | 18 | 01 05 | 3816 | 26 | 01 | 0604 |
| 05 | 01 05 | 3315 | 08 | | 0415 | 01 03 12 | 1608 | 04 | 04 | 3904 | |
| | 01 03 11 | 0711 | 01 | | 2515 | 01 05 06 | 0604 | 02 | 02 | 3411 | |
| | 02 | 0415 | 01 | | 2815 | 01 06 | 0804 | 27 | 01 | 3314 | |
| | 01 | 0915 | 08 | | | 01 01 02 | | 01 | 01 | 2515 | |
| | 01 | 2515 | 01 01 02 | | | 03 04 05 | | 08 | 08 | 2615 | |
| | 01 | 2615 | 02 03 03 | | 1121 | 06 08 | 1002 | 28 | 08 | 0604 | |
| | 01 | 2715 | 05 06 11 | | | 01 | 3904 | 01 | 01 | 3314 | |
| | 01 | 2915 | 01 02 03 | | 0604 | 01 | 3315 | 01 | 01 | 0215 | |
| 06 | 01 02 03 | | 05 11 | | 1004 | 02 | 1713 | 08 | 08 | 2715 | |
| | 05 08 | 0604 | 01 04 05 | | | 01 | 0215 | 29 | 08 | 0711 | |
| | 01 01 04 | | 11 | | 3904 | 01 05 | 0415 | 08 | 08 | 0915 | |
| | 05 05 06 | 1004 | 01 05 11 | | 3314 | 01 02 11 | 0916 | 30 | 02 | 0604 | |
| | 01 03 05 | | 12 | | 0415 | 01 05 | 2515 | 01 04 | 04 | 1004 | |
| | 11 | 3904 | 01 05 08 | | 1121 | 01 05 | 2615 | 04 | 01 04 05 | 3904 | |
| | 01 | 3315 | 01 05 08 | | 0604 | 01 | 2715 | 01 | 11 12 | 3314 | |
| | 01 03 | 0711 | 09 11 | | 3904 | 01 05 | 2815 | 11 | 01 11 | 0711 | |
| | 01 05 | 0204 | 01 | | 0604 | 01 | 2915 | 01 | 01 05 | 1711 | |
| | 03 | 0415 | 15 01 | | 0604 | 01 | 3015 | 01 02 11 | 01 07 | 3411 | |
| | 01 | 2515 | 16 03 | | 0604 | 01 02 11 | 3816 | 02 03 | 01 | 0215 | |
| | 01 | 2615 | 17 01 | | 1004 | 02 03 | 1121 | 01 02 03 | 01 | 02 03 | |
| 07 | 01 | 1004 | 01 04 | | 3904 | 20 01 02 | 1714 | 05 07 11 | 05 07 11 | | |
| | 01 | 3314 | 01 03 05 | | 0710 | 23 02 | 0604 | 12 | | 0415 | |
| | 01 | 0711 | 01 03 | | 3714 | 02 08 | 0711 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 0415 | 01 02 | | 0215 | 08 | 0215 | 05 06 07 | | | |
| | 03 08 | 2815 | 01 | | 0915 | 03 | 0915 | 11 12 13 | | 0915 | |
| | 02 03 | 2915 | 01 08 | | 2515 | 08 | 2515 | 01 02 03 | | | |
| 08 | 01 | 3904 | 11 | | 0415 | 01 08 | 2615 | 05 06 08 | | | |
| | 01 | 1711 | 01 03 05 | | 0916 | 24 08 | 0711 | 11 12 | | 2515 | |
| | 01 02 05 | 0415 | 06 07 08 | | 2515 | 08 | 1713 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 2715 | 11 12 | | 2615 | 03 | 0215 | 05 11 12 | | 2615 | |
| | 01 | 2815 | 01 05 11 | | 2815 | 08 | 0915 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 2915 | 01 | | 2915 | 25 01 | 1613 | 05 11 12 | | 2715 | |
| | 01 | 3815 | 01 02 11 | | 3015 | 01 | 0604 | 01 02 03 | | | |
| 09 | 01 | 0604 | 01 02 03 | | 3816 | 01 | 1004 | 05 11 | | 2815 | |
| | 01 03 05 | 1004 | 05 08 | | 1608 | 01 | 3904 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 3314 | 11 | | 0604 | 01 | 3314 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 3408 | 01 08 | | 1002 | 01 03 | 0711 | 05 11 | | 2915 | |
| | 01 | 0915 | 18 01 02 05 | | 3904 | 01 | 1713 | 01 02 03 | | | |
| | 01 | 2515 | 11 | | 3315 | 01 | 3411 | 05 08 11 | | | |
| | 01 | 3815 | 01 | | 1713 | 01 08 | 3714 | 12 | | 3015 | |
| | 01 | 1121 | 01 05 11 | | 0215 | 01 02 12 | | 01 05 | | 3815 | |
| 10 | 01 | 2815 | 01 03 04 | | 0415 | 13 | 0215 | 02 | | 1613 | |
| | 01 | 1121 | 11 | | 0916 | 01 07 | 0415 | | | | |
| 11 | 01 04 | 0604 | 01 | | 0215 | 01 02 03 | | | | | |
| | 01 08 | 0804 | 01 03 | | 0415 | 05 08 | 2515 | | | | |
| | 01 | 3904 | 01 03 11 | | 0916 | 01 | 2615 | | | | |
| | 01 | 3314 | 01 05 | | 2515 | 01 | 2715 | | | | |
| | 08 | 3714 | 01 02 03 | | 2615 | 01 06 | 2815 | | | | |
| | 01 08 | 0915 | 05 08 11 | | 2815 | 01 | 2915 | | | | |
| | 01 05 | 2515 | 01 02 03 | | 2815 | 01 08 | 3015 | | | | |
| | 01 | 2615 | 01 02 03 | | 2915 | 01 | 3815 | | | | |
| | 02 03 08 | 2815 | 08 | | 2915 | 01 | 1613 | | | | |
| | 01 02 | 2915 | 01 02 03 | | 3015 | 01 | 1121 | | | | |
| | 01 02 08 | 3815 | 05 08 | | | | | | | | |
| | 01 02 03 | | 01 02 03 | | | | | | | | |
| 08 | | 1613 | 08 | | | | | | | | |
| 05 | | 1121 | | | | | | | | | |

April 1987

| KKGG | 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | |
|------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|
| 4003 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0604 | | | | X | | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0804 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1004 | | | | O | + | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3904 | | | | X | | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3205 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3314 | | | | X | X | + | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0711 | | | | X | X | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 17// | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3411 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3714 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0215 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0415 | | | | X | X | X | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1915 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0915 | | | | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2515 | | | | X | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2615 | | | | X | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2715 | | | | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2815 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2915 | | | | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3015 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3815 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16// | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1121 | X | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

// mehrere GG
 X Sonnenhalotag O Sonnen- und Mondhalotag + Mondhalotag

Nachtrag: Dt. H. KKGG
 März '87 31 08 0215
 02 01 0804
 03 01 0804

Von KK 40 und 32 bis zum 28. Mai noch keine Beobachtungsergebnisse für den Monat April eingetroffen.

Zur Veröffentlichungen von Beiträgen in HALO

André Knöfel

Von verschiedenen Seiten wurde auf sachliche Fehler im Beitrag von G. Berthold im letzten Mitteilungsblatt aufmerksam gemacht. Die Beschreibung der Wetterlage und die daraus gezogenen Schlussfolgerungen entsprechen nicht den Tatsachen. In diesem Zusammenhang sei darauf hingewiesen, daß für den Inhalt der Beiträge die Autoren verantwortlich sind, da aus zeitlichen Gründen (wie in diesem Fall) nicht immer eine Kontrolle aller Einzelheiten erfolgen kann. Eingereichte Beiträge sollten nach Möglichkeit bereits druckreif (maschinengeschrieben) geliefert werden.

Halobeobachterdiskussion am Rande der 21. Bezirksfachtagung Astronomie
des Bezirkes Karl-Marx-Stadt in Plauen

Holger Seipelt

Während des gemütlichen Beisammenseins im Rahmen der 21. BFT Astronomie kam es am Abend des 23. Mai 1987 zu einer kurzen Diskussionsrunde von aktiven Halobeobachtern. Im Bezirk Karl-Marx-Stadt ist bekanntlich ein großer Teil der Sektionsmitglieder beheimatet. Hauptthema war die Verlagerung eines beträchtlichen Teiles der Auswertearbeit. Die vorhandenen positiven Erstergebnisse sollten für die Auswerter auf alle Fälle Leitmotiv ihrer weiteren Arbeit sein. Für eine zügige und umfassende Bearbeitung der ankommenden Beobachtungsdaten ist es notwendig, daß alle Beobachter der Sektion überprüfen, ob sie ihre Beobachtungen jeweils pünktlich am Anfang des neuen Monats, spätestens jedoch bis zum 15. nach Karl-Marx-Stadt abgeschickt haben. Damit kann nicht nur unser Mitteilungsblatt aktuell gestaltet werden, sondern es wird gleichzeitig dessen Übersichtlichkeit gewahrt, weil Nachträge entfallen.

Im Verlauf der Diskussion stellte sich heraus, daß die Methodik der Beobachtung doch von Beobachter zu Beobachter verschieden ist. Das betrifft vor allem die Handhabung der Dauerangabe bzw. die Angabe, wann es sich um ein neues Halo handelt. Während einige Beobachter offensichtlich das erstmalige Auftreten einer Haloform und das letztmalige Auftreten als Anfangs- bzw. Endzeit nehmen (ohne Berücksichtigung jeder zwischenzeitlicher Unterbrechung), notieren andere nach jeder Unterbrechung der Sichtbarkeit ein neues Halo. Während erstere enorm lange Dauerangaben melden, steigern letztere die Anzahl der EE's. Dazu folgende Überlegung: Unter gleichen meteorologischen Bedingungen (Wolkengattungen, Windrichtung, Höhenströmung, kein zwischenzeitlicher Frontdurchgang u.ä.) notiere ich auch bei zwischenzeitlichen Unterbrechungen nur ein Halo. Die Zeitdauer der Unterbrechung notiere ich in den verbalen Aufzeichnungen und erhalte nach Abzug dieser von der Gesamthalodauer die effektive Halodauer, die für verschiedene Auswertungen von Interesse sein kann (z.B. Korrelation Sonnenscheindauer - Halodauer). In der Beobachtungsmeldung erscheint diese aber nicht. Die endgültige Beantwortung dieser Frage bedarf aber einer umfassenden Betrachtung und sollte auf jeden Fall zum nächsten SHB-Seminar erfolgen. Kritisch eingeschätzt wurde die neue Handhabung der Angabe des Beobachtungsinstrumentes. Niemand wird ein Halo mit der Kamera entdecken; und es ist nicht mehr ersichtlich, wann ein Halo fotografiert wurde. Viele Fragen wirft die Trennung oberer/unterer Berührungsbogen - umschriebener Halo auf. Zu dieser Problematik erscheint bald in HALO mehr. Nach Anregung von mehreren Beobachtern beginnen wir demnächst im Mitteilungsblatt mit einer Fortsetzung zur Beschreibung seltener Haloformen (etwa ab EE 13 aufwärts). Unsere Literaturforscher sind bereits auf der Suche nach Quellen, denn verständlicherweise hat bisher kein SHB-Mitglied diese Halos in ihrer nahezu unerschöpflichen Vielfalt selbst beobachten können.

Dort, wo es möglich ist, sollen auch weiterhin Computer zur Auswertung eingesetzt werden. Eine neue Variante des Programms zur Ermittlung von Periodizitätsdiagrammen ist in Arbeit und auch das Programm für die Berechnung von Sonnenhöhen scheint in greifbarer Nähe. Soweit ein kurzer Bericht. Es hat sich gezeigt, daß solche regionalen Beobachtertreffen für alle Beteiligten sehr nützlich sind. Eine Fortsetzung soll folgen.